Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 27 , सोमवार, 19 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

पानी में डुबकी लगाने के बाद वापस नहीं आया शख्स, जानें क्या हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 नवंबर को अंडमान द्वीप स्थित वांडूर बीच पर विष्णु मंडल (21) पिकनिक मना रहे थे। वे पानी में डुबकी लगाने के बाद वापस ऊपर नहीं आये। कुछ देर बाद किसी ने उनकी झलक देखकर चिल्लाया। दरअसल, पानी में विष्णु को मगरमच्छ ने गर्दन से पकड़ लिया था। विष्णु को मगरमच्छ का शिकार बनते देख कुछ दोस्तों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन डर की वजह से कोई भी मगरमच्छ के करीब नहीं जा सका। मौके पर कई लोगों के मौजूद होने के बाद भी विष्णु को बचाया नहीं जा सका। बाद में वाइल्ड लाइफ की गश्त मारने वाली टीम ने मगरमच्छ की पीठ में हापून (एक प्रकार का हथियार) घोंपकर युवक का शरीर छुड़वाया। पुलिस, लाइफगार्ड और वाइल्ड लाइफ टीम ने अलग-अलग बहाने बनाकर खुद को मामले से दूर कर लिया था। गौरतलब है कि, साल 2015 में एक होमगार्ड भी ऐसे ही हमले का शिकार हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि, हर साल मगरमच्छ के हमले के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।

हैदराबाद: प्रेमी से वीडियो चैट के दौरान MBA की छात्रा ने किया 'लाइव सुसाइड'

हैदराबाद। हैदराबाद में एमबीए की एक छात्रा ने अपने हॉस्टल के कमरे में ब्वॉयफ्रेंड के साथ वीडियो कॉल करने के दौरान फंसी लगा ली। यह घटना शहर के कोम्पल्ली क्षेत्र के एक निजी हॉस्टल में शनिवार रात को हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हनीशा चौधरी ने अपने ब्वॉयफ्रेंड दक्षित पटेल के साथ मोबाइल पर वीडियो कॉल करने के दौरान आत्महत्या कर ली। हनीशा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले की रहने वाली थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने लड़की का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है और आत्महत्या के पीछे के कारण की जांच शुरू कर दी है।

यूपी: चार विश्वविद्यालयों में नए कुलपति नियुक्त

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति राम नाईक ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद, हर्टकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय कानपुर, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर तथा नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज विश्वविद्यालय फैजाबाद में कुलपति की नियुक्ति कर दी है। श्री नाईक ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद, इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी लखनऊ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह को हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय कानपुर, ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली के पशु विज्ञान विभाग की प्रो. नीलिमा गुप्ता को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर तथा भारतीय कृषि एवं अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक प्रो. जीसी संधु को नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज फैजाबाद का कुलपति नियुक्त किया है। कुलपतियों की नियुक्ति विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है। यह जानकारी आज प्रमुख सचिव राज्यपाल जूथिका पाटणकर ने रविवार को यहां दी।

वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

नई दिल्ली। अम्बेडकर नगर थाना इलाके में वाहन की टक्कर लगने के कारण एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक का नाम राजेंद्र प्रसाद कश्यप (65) है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक बृहस्पतिवार को सूचना मिली थी कि सड़क पर अचेत अवस्था में एक बुजुर्ग खून से लथपथ पड़ा है।

छात्रा से अश्लीलता करने वाले पर 25 हजार का इनाम

नई दिल्ली। बस में डीयू छात्रा से अश्लील हरकत व छेड़छाड़ के आरोपी की सूचना देने वाले को पुलिस ने इनाम देने की घोषणा की है। पिछले दिनों वसंत विहार क्षेत्र में एक शख्स द्वारा चलती बस में छात्रा के सामने कथित तौर पर आपत्तिजनक क्रिया व और छेड़खानी की थी। इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के बारे में सूचना देने पर 25 हजार रपए इनाम की घोषणा की है।

»» पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए

प्रशासनिक खंड का घेराव करने वाले छात्रों पर मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएनयू में अनिवार्य हाजिरी वापस लेने को लेकर बृहस्पतिवार रात प्रशासनिक खंड का घेराव करने वाले छात्र मुश्किल में फंस सकते हैं। प्रशासन ने इन छात्रों पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस इस बाबत मामला दर्ज कर उन छात्रों के बारे में सूचना एकत्र करने में जुटी है, जो घटना में शामिल थे। इस घटना के पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस के मुताबिक जेएनयू के मुख्य सुरक्षाधिकारी नवीन यादव की ओर से शिकायत दी गई थी।

घटना में शामिल छात्रों के बारे में सूचना एकत्र करने में जुटी पुलिस

शिकायत के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से जेएनयू छात्र अनिवार्य हाजिरी वापस लेने के मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बाद बृहस्पतिवार रात उन्होंने प्रशासनिक खंड को घेर लिया और कई घंटों तक विविद्यालय के दो रेक्टरों को बाहर निकलने नहीं दिया। काफी देर तक हुए हंगामे के बाद जेएनयू प्रशासन को पुलिस की सहायता लेनी पड़ी। शिकायत में कहा गया है कि घेराव जेएनयूएसयू की ओर से किया गया था, जिसमें उनके पदाधिकारी व अन्य छात्र शामिल थे। उधर छात्रों का कहना है कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, किसी को उन्होंने बंधक नहीं बनाया। साथ ही शिकायत में कहा गया है कि छात्रों ने जेएनयू अधिकारियों को बंधक बनाकर उनके साथ बदसलूकी की। एक कर्मचारी की तबियत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेन्स आई तो उसे भी घेरकर रोक लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

»» दिल्ली विविद्यालय में हुई दलित शिक्षकों की विशाल मीटिंग

शिक्षक की मौत पर राजनीतिक दल मौन क्यों!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विविद्यालय के दलित शिक्षकों ने सवाल उठाया है कि एक दलित शिक्षक की मौत पर राजनीतिक दल चुप क्यों हैं। डीयू में एससी, एसटी, ओबीसी टीचर्स फोरम, फोरम ऑफ एकेडमिक फॉर सोशल जस्टिस और ज्वाइंट एससी, एसटी टीचर्स फ्रंट के संयुक्त तत्वावधान में डीयू के कला संकाय परिसर में अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा वर्ग के शिक्षकों की एक विशाल जनसभा में मुद्दा उठाया गया।शिक्षकों ने इस मौके पर शिक्षक स्वर्गीय खेमचंद बैरवा की आकस्मिक मौत की सीबीआई जांच व सरकार द्वारा उनके परिजनों को एक करोड़ रु पए दिए जाने की मांग की है। मीटिंग में बताया गया कि देश की राजधानी दिल्ली में एक दलित शिक्षक की उत्तरी दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर की हठधर्मिता और उसे लगातार तीन महीने से वेतन न देने से मौत हो जाती है और दूसरी तरफ एक सामान्य वर्ग के एडिशनल कमिश्नर को 31 दिसम्बर 2017 को रिटायर होते ही 76 लाख का भुगतान किया जाता है। दलित शिक्षक खेमचंद बैरवा को गिड़गिड़ाने पर भी वेतन नहीं दिया गया। चार पुत्रियों के पिता दलित शिक्षक खेमचंद बैरवा की आर्थिक तनाव में 16 जनवरी की मौत हो गई।

दलितों की मौत पर हायतौबा मचाने वाली सभी राजनीतिक पार्टियां पता होते हुए भी मौन हैं। इससे दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार,सहायता एवं मान्यताप्राप्त स्कूलों और विविद्यालयों में कार्यरत लगभग बीस हजार दलित शिक्षकों में सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है।

इस मौके पर शिक्षक मंच और डीयू के टीचर्स फोरम ने घोषणा की है कि दलित शिक्षक 24 जनवरी को आईटीओ पर पुलिस कमिश्नर के यहां धरना प्रदर्शन कर सीबीआई जांच की मांग करेंगे। दिल्ली से बाहर से आए लोगों ने भी अपनी बात रखी।

सभी ने एक स्वर में खेमचंद बैरवा की मौत की जांच की मांग रखते हुए व्यापक स्तर पर आंदोलन करने की चेतावनी दी।

एनएमसी बिल में नहीं हुआ बदलाव तो बंद होंगे दिल्ली के अस्पताल

19 फरवरी से डॉक्टर दिल्ली के अस्पतालों में अब काला रिबन बांधकर काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल मेडिकल कमीशन बिल (एनएमसी) पर डॉक्टरों ने अब सरकार को खुली चुनौती दी है, डॉक्टरों का कहना है कि बिल में यदि बदलाव नहीं हुआ तो वह दिल्ली के अस्पतालों की ओपीडी बंद कर देंगे। डॉक्टरों का कहना है कि वह कई बार सरकार को इस बिल के विधेयक में बदलाव के लिए कह चुके हैं।

19 फरवरी से डॉक्टर दिल्ली के अस्पतालों में अब काला रिबन बांधकर काम करेंगे। फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर एसोएशिन की इस बारे में देर रात मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में बैठक हुई। जिसमें लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, राममनोहर लोहिया अस्पताल, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और अन्य अस्पतालों के डॉक्टर शामिल हुए । फोर्डा ने कहा कि इस बिल के विरोध में वह 6 फरवरी को प्रदर्शन कर चुके हैं। लेडी हार्डिंग से इंडिया गेट तक डॉक्टरों ने मार्च निकाला था। प्रधानमंत्री कार्यालय, स्वास्य मंत्री, एनडीएमसी बिल की स्टैंडिंग कमेटी को ज्ञापन भी दिया गया है। बावजूद इसके डॉक्टरों को इस बिल पर कहीं से भी कोई सकरात्मक जबाव नहीं मिला है। अब इस बिल के खिलाफ वह सोमवार से काला रिबन बांधकर अस्पताल में काम करेंगे। वहीं अगर उनकी मांगे नहीं मांगी गई तो वह 21 फरवरी से दिल्ली के सभी अस्पतालों की ओपीडी सेवा बंद करेंगे। डॉक्टरों का कहना है कि बिल में जो भी चीजें हैं, वह गरीबों को प्रभावित करेंगी। इससे निजी अस्पतालों को फायदा होगा।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री चार नए डेंटल अस्पताल खुलेंगे, सत्रह अस्पतालों को आधुनिक बनाने की तैयारी

5400 करोड़ से स्वास्य सेवा का कायाकल्प करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार 9 मार्च से बजट सत्र की शुरुआत करने की योजना बना रही है जिसमें 5400 करोड़ रपए के खर्च से राजधानी में स्वास्य सेवा का कायाकल्प होगा। पिछले बजट में भी शिक्षा के बाद सर्वाधिक खर्च स्वास्य बजट पर किया गया था, इस वर्ष भी स्वास्य पर जोर जारी रहेगा। दिल्ली सरकार राजधानी में चार नए डेंटल अस्पताल खोलने की योजना बना रही है जबकि 17 अस्पताल का आधुनिकीकरण किया जाएगा। अभी अस्पतालों में कुल बिस्तरों की संख्या 11 हजार है जिसे 17 अस्पतालों के आधुनिकीकरण के बाद बढ़ाकर 20 हजार बिस्तर तैयार करने की योजना है। राजधानीवासियों को हेल्थ कार्ड इसी वर्ष मुहैया कराया जाएगा जिसमें उनके पूर्व के सभी बीमारी का विवरण उपलब्ध होगा। यह कार्ड सभी सरकारी अस्पताल में मान्य होगा। इस हेल्थ कार्ड निर्माण पर होने वाले खर्च के लिए बजट में प्रावधान किया जाएगा। राजधानी के भीड़ भरी कालोनियों में कैट्स एंबुलेंस ले जाने की जगह नहीं होने के कारण पतली गलियों में बाइक एंबुलेंस मुहैया कराएगी जिसके लिए पर्याप्त खर्च का प्रावधान इस बजट में किया जाएगा। सभी नागरिकों को पैथ लैब के साथ रेडियोलाजी संबंधी जांच भी निजी क्लीनिक से मुफ्त कराने की योजना जारी रहेगी। राजधानी के सभी डिस्पेंसरी को पॉली क्लीनिक में तब्दील किया जाएगा। अभी कुल 160 मोहल्ला क्लीनिक खुल चुके हैं जिसे बढ़ाकर 900 मोहल्ला क्लीनिक किया जा सकेगा। दिल्ली सरकार ने एक हजार मोहल्ला क्लिनिक खोलने का लक्ष्य बनाया है। इसके अलावा परिवहन की बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए प्रावधान किया जाएगा व सरकार इलेक्ट्रिक वाहन को प्रोत्साहन देने के लिए पॉलिसी लाएगी। इसपर भारी खर्च होगा जिसका प्रावधान बजट में किया जाएगा। परिवहन विभाग राजधानी में इलेक्ट्रिक बस चलाने पर विचार करेगा। राजधानी में 20 लाख दोपहिया वाहनों से सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण होता है जो सरकार के लिए चिंता का विषय है। इसकी जगह छोटे इलेक्ट्रिक वाहन मेट्रो स्टेशन के इर्द-गिर्द चलाए जाएंगे ताकि प्रदूषण कम किया जा सके। अब परिवहन, ऊर्जा, पर्यावरण व लोक निर्माण विभाग को भी अपने विभागों संबंधी तैयारी करने कहा गया है ताकि बजट निर्माण प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा सके।

वर्तमान 11 हजार बिस्तरों को बढ़ाकर 20 हजार बिस्तर रखने की रूपरेखा तैयार सभी डिस्पेंसरी होंगी पाली क्लीनिक में तब्दील सभी दिल्लीवासी को मिलेगा हेल्थ कार्ड इसी वर्ष

''''मैं आपके (के. चंद्रशेखर राव) लंबे जीवन और अच्छे स्वास्य की कामना करता हूं।''

रेलवे ने जारी किया 15 दिन में ट्रेनों को किन्नर मुक्त करने का फरमान

रायपुर। आपने कई बार ट्रेनों में किन्नरों की अवैध वसूली की कई खबरें देखी और सुनी होंगी, लेकिन अब यह घटनाएं और सुनने व देखने को नहीं मिलेंगी। क्योंकि रेलवे ने 15 दिन के अंदर देशभर की सभी ट्रेनों को किन्नर मुक्त करने का फरमान जारी किया है। रेलवे बोर्ड के आदेश के बाद रेलवे सुरक्षा बल हरकत में आ गया है और आनन-फानन में किन्नरों के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू कर दिया है।

दरअसल, बीते 3 फरवरी, 2018 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सालेम डिविजन में कुछ किन्नरों ने अवैध वसूली के दौरान विरोध करने पर दो यात्रियों को चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया था।

इस घटना में के. सत्यनारायण नाम के एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरा युवक गंभीर हो गया। उसका अब भी अस्पताल में इलाज जारी है।

के. सत्यनारायण की मौत के बाद जब उसके परिजनों ने ट्वीट कर रेलवे बोर्ड से शिकायत की तब जाकर रेलवे को इस मामले की गंभीरता समझ आई और उसने 15 दिन में देशभर की सभी ट्रेनों को किन्नर मुक्त करने का फरमान जारी कर दिया।

यात्रियों से वसूली की घटना आम बात

रायपुर में किन्नरों द्वारा रेल यात्रियों से अवैध वसूली की घटना आम बात है। रायपुर से गुजरने वाली हर ट्रेन में किन्नर यात्रियों से अवैध वसूली करते देखे जा सकते हैं।

रेलवे बोर्ड का आदेश जारी होने के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने अब ट्रेनों में वसूली करने वाले किन्नरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

परीक्षा नहीं दे पाए 15 छात्र, मिला 30 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली। नेशनल एलिजबिलिटी एंड एंट्रेंस टेस्ट 2017 (NEET 2017) की परीक्षा न दे पाने वाले 15 आदिवासी छात्रों को 30 लाख रुपए मुआवजा दिया गया। यह मुआवजा मानवाधिकार आयोग की सिफारिश के बाद दिया गया। आयोग ने त्रिपुरा सरकार को कहा था कि बच्चे जिस सरकारी स्कूल में पढ़ रहे थे वहां स्कूल प्रशासन द्वारा भारी लापरवाही हुई है। इसलिए उन्हें राहत के तौर पर मुआवजा दिया जाए। 30 लाख रुपए में प्रत्येक छात्र को दो लाख रुपए दिए गए क्योंकि वे नीट 2017 की प्रतियोगी परीक्षा में कुछ भी नहीं लिख पाए थे। बच्चों ने जिस स्कूल से पझढ़ाई की है उसका नाम एकलव्य मॉडल रेजीडेंशियल स्कूल है जो कि खुमुल्वंग में स्थित है। आयोग ने यह भी सरकार को कहा कि इन्हीं सभी छात्रों को नीट 2018 के लिए फ्री कोचिंग की व्यवस्था भी की जाए। आयोग ने मामले में त्रिपुरा सरकार को खरी खोटी सुनाते हुए यह भी कहा कि स्कूल के आरोपी प्रिंसिपल और टीचर के खिलाफ जो कार्रवाई हुई है वह भी पर्याप्त नहीं है। सरकार ने छात्रों को मुआवजा देने के बाद मानवाधिकार आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंप दी दी है। आयोग की जांच में पाया गया कि प्रिंसिपल और टीचर ने छात्रों के ऑनलाइन आवेदन करवाए थे, लेकिन इस आवेदन की फीस टाइम पर जमा नहीं की गई थी जिससे छात्र नीट 2017 की परीक्षा में नहीं बैठ पाए थे। मामला जब मानवाधिकार आयोग के पास पहुंचा तो उसने सीबीएससी से इस पर बात की लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इसके बाद आयोग ने सरकार को मुआवजा देने की सिफारिश की।

स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने जाएंगे कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बुलावे पर इन दिनों कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एक सप्ताह के दौरे पर परिवार सहित भारत आए हैं। ट्रूडो 17 से 24 फरवरी तक भारत के दौरे पर रहेंगे। वह 23 फरवरी को नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

इस दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान कनाडाई प्रधानमंत्री मुंबई, आगरा, अहमदाबाद के साथ अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर भी जाएंगे। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, साइंस और इनोवेशन, उच्च शिक्षा, आधारभूत विकास, अंतरिक्ष समेत कई क्षेत्रों के साझा हितों को लेकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।

इसके साथ ही दोनों देशों के बीच वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ ही सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आपसी सहयोग पर भी चर्चा होगी.

क्यों अमृतसर जा रहे हैं प्रधानमंत्री ?

दरअसल कनाडा सरकार चाहती है कि अतीत में हुई गलतियों को सुधारा जाए इसी के चलते प्रधानमंत्री ने भारत यात्रा के दौरान स्वर्ण मंदिर जाने का कार्यक्रम तय किया है।

गलतियों से कनाडाई सरकार का इशारा 103 साल पुरानी उस कोमागाटा मारू की घटना है, जिसे लेकर 20 मई, 2016 को प्रधानमंत्री ट्रूडो को संसद में माफी तक मांगनी पड़ी थी। फिलहाल, भारतीय मूल के लगभग 14 लाख लोग कनाडा में रहते हैं, लेकिन आजादी से पहले वहां भारतीयों को बसने की इजाजत नहीं थी।

भारतीय वहां काम की तलाश में जाते थे, लेकिन उन्हें परिवार समेत वहां आने की मनाही थी। उस वक्त की कनाडा सरकार ने एशियाई और अफ्रीकी मूल के लोगों को यहां आने से रोकने के लिए कानून बना रखे थे। यह कानून था कंटिन्यूअस पैसेज एक्ट। यानी समुद्र में बगैर रुके अगर कोई जहाज कनाडा के तट पर पहुंचता है तभी उसे कनाडा में घुसने की अनुमति दी जाएगी।

ये है कोमागाटा मारू का पूरा मामला

दरअसल, 1914 में कोमागाटा मारू नामक एक जहाज में 300 से अधिक भारतीय लोग कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया तट पर पहुंचे थे। जहाज को गदर पार्टी से संबंधित गुरदीत सिंह ने किराये पर लिया था।

यह जहाज हांगकांग से सीधी यात्रा कर वहां पहुंचा था। यह कनाडा के उस हिस्से में पहुंचा था जहां ब्रिटिश शासन था। भारतीयों का यह मानना था कि वो उन जगहों पर अपनी रोजी रोटी के लिए जा सकते हैं, जहां-जहां ब्रिटिश राज है। उसी कड़ी में लोग कनाडा पहुंचे। लेकिन जो लोग नस्लवाद के पैरोकार थे वो बाहर से आने वाले लोगों को यहां आने

नहीं देना चाहते थे। 23 मई को वैंकुवर पहुंचे इस जहाज को वहां समुद्र तट पर ही दो महीने तक रोके रखा गया और कनाडा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। कोमागाटा मारू में सवार 376 भारतीयों में से सिर्फ 24 को कनाडा सरकार ने वैंकूवर में उतरने दिया था। 1913 में कनाडा और अमरीका में रह रहे प्रवासी भारतीयों की बनाई गदर पार्टी ने कनाडा की सरकार पर यात्रियों को वहां उतारने का दबाव डाला इसके बावजूद तट पर दो महीने तक रखने के बाद उन्हें वापस भारत भेज दिया गया। लगभग छह महीने समुद्र में घूमने के बाद यह जहाज़ कोलकाता में बज-बज बंदरगाह पहुंचा था।

उस व्यक्ति ने अमरत्त्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता।
स्वामी विवेकानंद

भावनाओं का उतार-चढ़ाव

मनोवैज्ञानिक शोध में भी नकारात्मक भाव जैसे क्रोध पर तो ध्यान गया है पर बाकी उपेक्षित ही है। आत्म-चेतन संवेग नैतिक आचरण के लिए जरूरी हैं। इनमें यह सोच कि हमारा व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेगा, दूसरे उसे कैसे स्वीकार करेंगे, महत्त्वपूर्ण होता है। आजकल भावनाओं का उतार-चढ़ाव सुर्खियों में है। खास तौर पर घृणा, द्वेष, कुंठा, जैसी भावनाएं और उनसे उपजती हिंसा चारों ओर उथल-पुथल मचाती नजर आ रही है। बच्चे से लेकर प्रौढ़ तक अपने लिए हिंसा को संतुष्टि पाने का एक पक्का, सीधा और फौरी तरीका मान कर अपनाते जा रहे हैं। पहले अनैतिक घटनाएं इक्का-दुक्का होती थीं पर अब इनकी भरमार है। और तो और धर्म का नाम लांछित करते हुए सारी शर्म-हया छोड़ अनेक चतुर चालाक बाबा और गुरु जैसे लोग धर्म के संस्थागत रूप की आड़ में भावनाओं से खेलते हुए हुए दुखी, कठिनाई में पड़े व सुख की चाह रखने वाले लोगों का गिरोह बना कर शोषण करते रहते हैं, जब तक कानून की गिरफ्त में नहीं आ जाते। इन सब घटनाओं से जुड़े ब्योरों पर गौर करें तो स्पष्ट हो जाता है कि इन सबमें अपने सुख के लिए ''दूसरों' को शारीरिक-मानसिक रूप से पीड़ा और हानि पहुंचाई जाती है। कोशिश यही रहती है कि किसी तरह अपने को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संतुष्ट किया जाए। इच्छाओं की इस छटपटाहट के लिए हमारे आसपास का परिवेश उत्तेजना के अवसर भी खूब दे रहा है। मीडिया और विज्ञापन नित नये आकर्षणों के साथ असंतुष्टि और अतृप्ति के मनोभावों को चौबीस घंटे हवा दे रहे हैं। चीख-चीख कर बतलाते रहते हैं कि अमुक-अमुक चीजों के अभाव में हम कुछ कमतर मनुष्य हैं, अधूरे हैं। ऐसे में ''हमारी परिस्थितियां खंडित या अपर्याप्त हैं, यह भाव हममें से अधिकांश के जीवन का स्थायी भाव बनता जा रहा है। पात्र हों या अपात्र इच्छा पूरी न हो तो सबमें कुंठा पैदा होती है। तब जिम्मेदार स्रेत के प्रति आक्रोश ही तात्कालिक प्रतिक्रिया होती है। हिंसा, लोभ, आसक्ति और भावनाओं के जोड़-तोड़ से सामाजिक जीवन में इस तरह की प्रवृत्ति बढ़ रही है। तीव्र भावनाएं हमारे निर्णय की क्षमता या विवेक को प्रभावित करती हैं। मोटे तौर पर भावनाओं या संवेगों को सकारात्मक और नकारात्मक, दो श्रेणियों में रखा जाता है। ये हमारी रोजमर्रे की जिंदगी में कई तरह के रंग भरते रहते हैं। संवेग कभी तटस्थ नहीं होते। दिन-प्रतिदिन का हिसाब देखें तो कोई व्यक्ति अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक या नकारात्मक दशाओं का अनुभव करता है। मानवीय संवेगों की अनुभूति घटनाओं की समझ या व्याख्या पर निर्भर करती है। परिस्थिति के आकलन के आधार पर ही भिन्न-भिन्न संवेगों का अनुभव किया जाता है।

सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि से विचार करें तो आचारों से जुड़े नैतिक संवेग अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। नैतिक संवेगों को हम बचपन से सीखते हैं, और वे सहजात जैसे हो जाते हैं। अपनी संस्कृति के अनुरूप हम परिस्थितियों के नैतिक पक्ष का मूल्यांकन करते हैं। जब नैतिक आत्मचेतना विकसित होती है, तो व्यक्ति स्वयं अपने व्यवहार को दंडित या पुरस्कृत करता है। लज्जा, ग्लानि व पश्चाताप नैतिक भावनाएं हैं। भावनात्मक उबाल नैतिक कायरे की ओर उन्मुख करता है। दान देना, गलतियों के लिए क्षमा मांगना या पीड़ितों का पक्षधर होना भी ऐसे ही नैतिक आचरण हैं। आज एक ओर नकारात्मक संवेगों का बाहुल्य है, तो दूसरी ओर नैतिक संवेग दुर्बल हो रहे हैं। इसके कई कारण हैं।

आज प्रतियोगिता व भौतिक सुखों की दौड़ में संवेगों को तर्क बुद्धि के विरुद्ध रख कर पेश किया जाता है। हम भूल जाते हैं कि संवेग अपनी परिस्थिति को समझने में मदद भी करते हैं, और नैतिक फैसले भी ज्यादातर संवेग पर ही टिके होते हैं। जहां हिंसा के मनोभाव हमारे भीतर पशुता के तत्व को व्यक्त करते हैं, वहीं नैतिकता हमें गरिमा देती है, और अच्छा व्यक्ति बनाती है। पशुता के उलट वह मानवता का चरम रूप उपस्थित करती है । नैतिक मनोभाव और व्यवहार इस रूपांतरण को रेखांकित करते हैं। नैतिक मनोभाव दूसरों के हित से जुड़े होते हैं। अत: भावनाओं को समझ कर इन पर ध्यान देने की जरूरत है। इतने महत्व के बाद भी इस विषय पर खास तवज्जो नहीं दी जाती है। मनोवैज्ञानिक शोध में भी नकारात्मक भाव जैसे क्रोध पर तो ध्यान गया है पर बाकी उपेक्षित ही है। आत्म-चेतन संवेग नैतिक आचरण के लिए जरूरी हैं। इनमें यह सोच कि हमारा व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेगा, दूसरे उसे कैसे स्वीकार करेंगे, महत्त्वपूर्ण होता है। धर्म की व्यापक अवधारणा में धैर्य, क्षमा, अहिंसा, मैत्री, करु णा, दया, उदारता, सत्य, अक्रोध जैसे नैतिक भावों और संवेगों पर बल दिया जाता है। इनकी प्रतिष्ठा में ही सह अस्तित्व और सामाजिक जीवन की समरसता सुरक्षित हो सकेगी। युद्धस्तर पर जुट जाना होगा। यह सिर्फ सरकार के जिम्मे का काम नहीं हर भारतीय का धर्म है।

सत्संग

परिवार

ईश्वर मात्रा से नहीं, गुण से प्रगट होता है। इसे थोड़ा सरल बनाकर समझा जाए। सबसे पहले तो यह तय कर लें कि ऊपरवाला प्रकट कहां होता है। यानी किन- किन चीजों में उसको देखा जा सकता है? हमारे पास दो तरह के संसार हैं। एक बड़ा जो बाहर है, जिसमें हमारा व्यावसायिक, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन चलता है। एक छोटा संसार है जो भीतर का है। इसमें निजी जीवन संचालित होता है। परिवार का जीवन बाहर और भीतर के बीच का होता है। परिवार में कुछ गति विधियां बड़े संसार जैसी होती हैं। धन-दौलत, अपना-पराये बाहर का संसार है, जो परिवार में भी होता है। इन दोनों में ही परमात्मा का अंश होता है लेकिन, बाहर के संसार में यदि परमात्मा को खोजें तो वह बड़ा जरूर है यानी मात्रा में अधिक हो सकता है पर गुण में छोटा ही होगा। जब अपने भीतर के छोटे संसार में उतरेंगे तो परमात्मा मात्रा में भी छोटा मिलेगा और गुण में एक स्वाद देता जाएगा। ईश्वर की खोज बाहर कठिन हो सकती है। ईश्वर खोजने से ज्या दा जीने का विषय है और जि ंदगी जीने के मौके परिवार व निजी जीवन में ज्यादा हैं। बाहर के संसार में जब जीवन जीने जाते हैं तो कई बाधाएं होती हैं। वहां एक खींचतान है इसलिए आप जीवन को लेकर थोड़ा असहज महसूस करेंगे। अत: रोज थोड़ी देर भीतर के छोटे और निजी संसार में जरूर जाया करें, जिसका पहला दरवाजा परिव ार होता है। इसका माध्यम है योग। प्रयोग करके देखि ए, परिवार के मतलब भी बदल जाएंगे और परमात्मा का स्वाद भी।

''लेटर ऑफ अंडरस्टैंडिंग'

सियासी हल्कों में भले ही इस घोटाले की गूंज के साथ आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया हो, पर इतना तो तय है कि देश में अब तक सामने आए इस सबसे बड़े घोटाले की मार आम जनता के सिर पर ही पड़ेगी।सोचने की बात है कि जो बैंकिंग व्यवस्था एक बड़े नेटवर्क से जुड़ी है, जिसमें नीचे से ऊपर तक जगह-जगह ''चेक' लगे हों, जो बैंक प्रबंधन से लेकर वित्त मंत्रालय तक गहरी नजरों से गुजरती हो, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक पड़तालें जिसका पोस्टमॉर्टम करती हों, वहां आठ वर्षो से जारी इतने बड़े घोटाले पर किसी जिम्मेदार की निगाह क्यों

सतीश पेडणोकर

बड़ा सवाल यह है कि क्या पूरे वित्तीय तंत्र में ही सूराख है, जिसमें आसानी से सेंध लगाई जा सकती है? केतन पारेख, विजय माल्या और नीरव मोदी बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर वाले आधुनिक पण्रालियों से लैस इन बैंकों की आंखों में कैसे धूल झोंक देते हैं? क्या बैंकों के नियंतण्र का निगरानी तंत्र इतना लचर है? कैसे ये घोटालेबाज बैंकों, वित्तीय एजेंसियों और सरकारी तंत्र को ठेंगा दिखा कर फरार हो जाते हैं ?घोटाले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। 11,300 करोड़ के शुरुआती अनुमान वाला यह फर्जीवाड़ा और भी बड़ा हो सकता है। अभी कई पेच खुलने बाकी हैं। इस घोटाले ने एक तरफसरकारी बैंकों पर जनता का विास हिला दिया है, तो दूसरी तरफ निवेश के लिए विदेशों में साख मजबूत करने में जुटी भारत सरकार के प्रयासों को भी झटका लगा है। हैरत की बात है कि एक तरफ मोदी सरकार एनपीए से डूबते बैंकों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से धन मुहैया कराने के लिए जूझ रही है, तो दूसरी तरफ बैंकों की कोताही पूरी अर्थव्यवस्था को डुबोने में जुटी है। सियासी हलकों में भले ही इस घोटाले की गूंज के साथ आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया हो, पर इतना तो तय है कि देश में अब तक सामने आए इस सबसे बड़े घोटाले की मार आम जनता के सिर पर ही पड़ेगी।सोचने की बात है कि जो बैंकिंग व्यवस्था एक बड़े नेटवर्क से जुड़ी है, जिसमें नीचे से ऊपर तक जगह-जगह ''चेक' लगे हों, जो बैंक प्रबंधन से लेकर वित्त मंत्रालय तक गहरी नजरों से गुजरती हो, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक पड़तालें जिसका पोस्टमॉर्टम करती हों, वहां आठ वर्षो से जारी इतने बड़े घोटाले पर किसी जिम्मेदार की निगाह क्यों नहीं पड़ी ? किस तरह फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कोई देशी बैंक विदेश स्थित किसी बैंक को रकम उपलब्ध कराने के लिए आंख बंद करके ''लेटर ऑफ अंडरस्टैंडिंग' जारी कर सकता है? वह भी तब, जब विजय माल्या को लेकर बैंक निशाने पर हैं और सारी बड़ी वित्तीय एजेंसियां बैंकिंग तंत्र को खंगाल रही हैं।

आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, 31 मार्च 2017 तक बीते पांच वर्षो में बैंकों में ''लोन फ्रॉड' के 8,670 मामले सामने आए हैं, जिनमें विभिन्न बैंकों को 61,260 करोड़ रु पये की चपत लगी है। क्या पूरे वित्तीय तंत्र में ही सूराख है, जिसमें आसानी से सेंध लगाई जा सकती है? केतन पारेख, विजय माल्या और नीरव मोदी बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर वाली आधुनिक पण्रालियों से लैस इन बैंकों की आंखों में कैसे धूल झोंक देते हैं? क्या बैंकों के नियंतण्रका निगरानी तंत्र इतना लचर है? कैसे ये घोटालेबाज बैंकों, वित्तीय एजेंसियों और सरकारी तंत्र को ठेंगा दिखा कर फरार हो जाते हैं? देश की अर्थव्यवस्था को घुन की तरह चाटने और आम भारतीय पर टैक्स का बोझ बढ़ाने वाले इन घोटालों की जवाबदेही आखिर किस पर है ?माल्या कानूनी दांव-पेच और ढीले तंत्र के चलते खुलेआम ठेंगा दिखा रहा है, तो पीएनबी घोटाले के आरोपित नीरव मोदी पर शिकंजे को लेकर शुरुआती ढील भी उजागर हो चुकी है। घोटाले की सूचना और किसी ठोस कार्रवाई के बीच लगभग दो पखवाड़े के अंतराल को लेकर न सिर्फ बैंक और दूसरी वित्तीय एजेंसियां, बल्कि सरकार भी कठघरे में है। ऐसे में, नीरव मोदी पर कैसे और कब नकेल कसी जा सकेगी, इस पर फि लहाल अटकलें ही लगाई जा सकती हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ समझे जाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों ने 2004 से 2014 के बीच करीब 63 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बांट दिया। विदेशों में इस कर्ज का मूल्य करीब 690 बिलियन यूएस डॉलर बैठता है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले चुनिंदा 18 देशों को छोड़ दें, तो यह रकम विश्व के किसी भी देश की समूची अर्थव्यवस्था से ज्यादा है।हास्यास्पद बात यह है कि कर्ज अदा न होने पर, फिर यही बैंक अपने कर्ज को कर्जदार के साथ औने-पौने में ''सेट्ल' कर देते हैं और बैंक खोखले होते जाते हैं। मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड, इलेक्ट्रोस्टील स्टील, आलोक इंडस्ट्रीज, एमटेक ऑटो, ज्योति स्ट्रक्चर कुछ ऐसे ही उदाहरण हैं, जिनके ''लोन सेट्लमेंट' से बैंकों को 57 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। कुछ कंपनियां तो घोटाले करने के लिए ही अस्तित्व में आती हैं और फिर गायब हो जाती हैं। मध्यम आकार की कंपनियों के ''सेट्लमेंट' का लेखा-जोखा ही लाखों करोड़ में बैठता है। सरकारी अर्थव्यवस्था को चूना लगाने वाले कर्जदारों में अमूमन बड़े उद्योगपति शामिल होते हैं, जिन पर बैंकों की खास मेहरबानी रहती है। वरना, आम उपभोक्ताओं को औपचारिकताओं और गारंटी के इतने पापड़ बेलने पड़ते हैं कि वे कर्ज की बात ही भूल जाते हैं या फिर छोटे-मोटे कर्ज मिल जाने के बाद बैंकों की डराऊ नोटिसों के बाद आत्महत्या कर लेते हैं।भारतीय पूंजी का करीब पचहत्तर प्रतिशत उन बड़े घरानों के पास है, जो देश की आबादी का महज एक प्रतिशत है। तो क्या बैंकों के लाखों करोड़ की रेवड़ी इन्हीं बड़ों को बांटी जाती है? जबकि बाकी 99 प्रतिशत लोग वित्तीय मदद की गैरमौजूदगी में दाल रोटी के लिए भी जूझते नजर आते हैं। घोटाला उजागर होने के बाद शेयर मार्केट में छोटे निवेशकों के दस हजार करोड़ रुपये डूब जाने का अनुमान है।यह घोटाला ठीक उस समय सामने आया है जब केंद्र सरकार बुरे कर्ज यानी एनपीए में डूबे अपने बैंकों को उबारने के लिए धन उपलब्ध कराने के प्रयासों में जुटी है। मोदी सरकार ने हाल में बैंकों के पुनरु द्धार के लिए 88 हजार करोड़ रु पये मुहैया कराए हैं। सरकार की योजना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बिखरते बैंकों को दो लाख करोड़ की पूंजी से फिर खड़ा किया जा सके। क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बैंकों को मजबूत करना जरूरी है।यही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी लगातार विदेशी निवेशकों को भारत में आकर उद्यम लगाने और बैंकिंग समेत हर तरह की मदद देने का भरोसा दिला रहे हैं। हैरत नहीं, कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस बैंक घोटाले ने भारतीय बैंकिंग व्यवस्था पर निवेशकों का भरोसा तोड़ दिया हो। विदेशी बैंक भारतीय बैंकों को शंका की दृष्टि से देखें और भविष्य में भारतीय उद्यमियों को भी देश के बाहर कारोबार में मुश्किलें खड़ी हो जाएं। बहरहाल, डैमेज कंट्रोल शुरू हो चुका है। सरकार ने आनन-फानन में नीरव मोदी और उनकी कंपनियों के खिलाफकार्रवाई आरंभ की है। प्रवर्तन निदेशालय ने देश भर में नीरव मोदी समेत इस घोटाले से जुड़े आरोपियों के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। एजेंसियों ने पांच हजार करोड़ रु पये से कुछ ऊपर की कीमत वाली कई संपत्तियां भी जब्त की हैं। उच्चाधिकारियों का दावा है कि घोटाले की रकम आरोपितों से वसूल ली जाएगी। माल्या की तरह नीरव देश छोड़ कर न भागे, इसके लिए लुकआउट नोटिस से लेकर पासपोर्ट रद्द करने तक की कार्रवाई शुरू की गई है। घोटाले में शामिल संदिग्ध बैंक अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।लेकिन इस कवायद का परिणाम क्या होगा, कोई नहीं जानता। माल्या बैंकों की रकम लेकर भाग चुका है। सरकार उसे भगोड़ा घोषित कर चुकी है, लेकिन धन वापसी का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। जानकारों का कहना है कि माल्या की तरह ही नीरव मोदी भी हाथ से फिसल चुका। बेल्जियम में पले-बढ़े और अमेरिका समेत दुनिया भर में फैले व्यापार के मालिक नीरव के पास किस किस देश के दस्तावेज हैं, इसकी भी पुख्ता जानकारी एजेंसियों के पास नहीं है। यानी चिड़िया खेत चुग गई है। देखना ये है कि सरकार बैंकों पर किस तरह की बाड़ लगाती है ताकि भविष्य में किसी बैंक में सेंध न लगे।

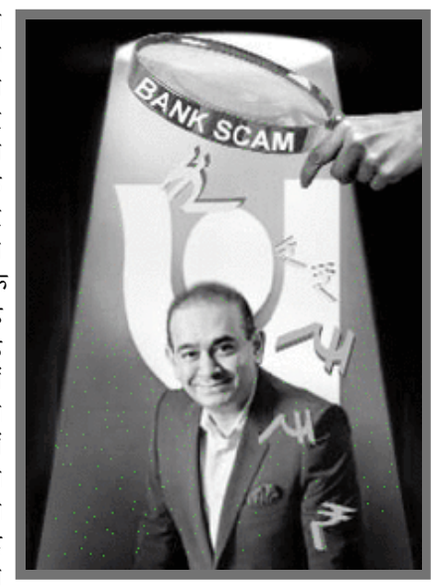

चलते चलते

मित्र

दो मित्र अक्सर एक वेश्या के पास जाया करते थे। एक शाम जब वे वहां जा रहे थे, रास्ते में किसी संत का आध्यात्मिक प्रवचन चल रहा था। एक मित्र ने कहा कि वह प्रवचन सुनना पसंद करेगा। उसने उस रोज वेश्या के यहां नहीं जाने का फैसला किया। दूसरा व्यक्ति मित्र को वहीं छोड़ वेश्या के यहां चला गया। अब जो व्यक्ति प्रवचन में बैठा था, वह अपने मित्र के विचारों में डूबा हुआ था। सोच रहा था कि वह क्या आनंद ले रहा होगा और कहां मैं इस खुश्क जगह में आ बैठा। मेरा मित्र ज्यादा बुद्धिमान है, क्योंकि उसने प्रवचन सुनने की बजाए वेश्या के यहां जाने का फैसला किया। उधर, जो आदमी वेश्या के पास बैठा था, वह सोच रहा था कि उसके मित्र ने इसकी जगह प्रवचन में बैठने का फैसला करके मुक्ति का मार्ग चुना है, जबकि

हमारे पास दो तरह के संसार हैं। एक बड़ा जो बाहर है, जिसमें हमारा व्याव सायिक, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन चलता है। एक छोटा संसार है जो भीतर का है। इसमें निजी जीवन संचालि त होता है। परिवार का जीवन बाहर और भीतर के बीच का होता है। परिवार में कुछ गति विधियां बड़े संसार जैसी होती हैं। धन-दौलत, अपना-पराया ये बाहर का संसार है, जो परिव ार में भी होता है। इन दोनों में ही परमात्मा का अंश होता है।

मैं अपनी लालसा में खुद ही आ फंसा। प्रवचन में बैठे व्यक्ति ने वेश्या के बारे में सोचकर बुरे कर्म बटोरे। अब वही इसका दुख भोगेगा। गलत काम की कीमत आप इसलिए नहीं चुकाते, क्योंकि आप वेश्या के यहां जाते हैं; आप कीमत इसलिए चुकाते हैं क्योंकि आप चालाकी करते हैं। आप जाना वहां चाहते हैं, लेकिन सोचते हैं कि प्रवचन में जाने से आप स्वर्ग के अधिकारी बन जाएंगे। यही चालाकी आपको नरक में ले जाती है। आप जैसा महसूस करते हैं, वैसे ही आप बन जाते हैं। मान लीजिए कि आप जुआ खेलने के आदी हैं। हो सकता है कि अपने घर में मां, पत्नी या बच्चों के सामने आप जुआ को खराब बताते हों। इसका नाम तक मुंह पर नहीं लाते हों। लेकिन जैसे ही अपने गैंग से मिलते हैं, पत्ते फेंटने लगते हैं। चोरों को क्या ऐसा लगता है कि किसी को लूटना बुरा है? जब आप चोरी में असफल होते हैं, तो वे सोचते हैं कि आप अच्छे चोर नहीं हैं। उनके लिए वह एक बुरा कर्म हो जाता है। हमें ये समझना होगा कि कर्म उसी तरह से बनता है, जिस तरह आप उसे महसूस करते हैं। आप जो कर रहे हैं, उससे इसका संबंध नहीं है।

फोटोग्राफी...

खाई के ऊपर से खतरनाक छलांग लगाते तेंदुए का दुर्लभ फोट

यह तस्वीर पाली (राजस्थान) के जवाई कंजर्वेशन स्थित बेड़ा की लिलोड़ा हिल की है। पहाड़ी की दो चट्टानों के बीच 50 से 60 फीट गहरी खाई है। तेंदुआ 15 से 18 फीट लम्बी छलांग लगा सकता है। उस वक्त जब या तो वह शिकार का पीछा कर रहा हो या उसकी जान खतरे में हो। अमूमन उसकी छलांग ऊंचाई से नीचे की तरफ या समानांतर होती है। यहां भी लगभग इतनी ही दूरी इन दोनों चट्टानों के बीच है। शिकार का पीछा करते इस छलांग की खासियत है कि यह नीची चट्टान से ऊपर की ओर लगाई गई है। इसमें जरा सी भी चूक से तेंदुआ खाई में गिर सकता था। ऐसा फोटो दुर्लभ होता है।

लोगों की हत्या का मामला

अमेरिका में स्कूल हत्याकांडों की संख्या में उस समय एक और कड़ी जुड़ गई जब हाल ही में फ्लोरिडा में उन्नीस वर्षीय एक लड़के निकोलस क्रूज ने स्टोनमेन डगलस हाईस्कूल में घुस कर अपनी राइफल से 17 लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों में स्कूल के छात्र-छात्राएं, अध्यापक सभी शामिल थे। निकोलस क्रूज इसी स्कूल का छात्ररहा था, लेकिन उसे उसके उद्दंड व्यवहार के कारण स्कूल से निष्कासित कर दिया गया था। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका को दहला दिया है। ऐसी हर घटना के बाद अमेरिका के राजनीतिक हल्के, मीडिया और बुद्धिजीवियों के बीच जो बहस छिड़ती रही है, वह एक बार फिर छिड़ गई है। बहस के मुद्दे हैं-अमेरिका में हथियारों की सहज उपलब्धता, स्कूल की सुरक्षा और सामाजिक निगरानी व्यवस्था। अमेरिका के कईराज्यों, जिनमें फ्लोरिडा शामिल है, में अठारह वर्ष से ऊपर के किसी भी व्यक्ति को थोड़ी-सी औपचारिकताओं के बाद हथियार प्राप्त करने में कोईकठिनाई नहीं होती, खासकर बड़े हथियार। माना जाता है कि राइफल जैसे बड़े हथियारों का प्रयोग लोगों की सुरक्षा का एक हिस्सा है, और इन्हें वे खेल, शिकार आदि के लिए इस्तेमाल करते हैं। अमेरिका के कईराजनीतिक हलकों से यह आवाज उठती रही है कि हथियारों की उपलब्धता को कठिन बनाया जाए और सुनिश्चित किया जाए कि ये हथियार बच्चों के हाथ न लगें, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप की सत्तारूढ़ पार्टी कभी भी हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं रही है। यह भी गौर करने वाली बात है कि पिछले राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिका की हथियार लॉबी ने डोनाल्ड ट्रंप का साथदिया था। डोनाल्ड ट्रंप इस लॉबी के हितों को क्षति नहीं पहुंचाना चाहते। लेकिन इस बार हत्याकांड में मृत बच्चों के अभिभावकों ने सीधे-सीधे राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा है कि आखिर, उनके बच्चों की हत्याओं की जिम्मेदार हथियारों की आसान उपलब्धता के खिलाफकोईठोस नीति क्यों नहीं है? शायद इस बार डोनाल्ड ट्रंप के लिए इस सवाल से बच निकलना मुश्किल है। दूसरा सवाल स्कूलों की सुरक्षा का है कि आखिर, एक स्कूल में एक व्यक्ति इतना बड़ा हथियार लेकर कैसे घुस सकता है। अगर स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था सही होती तो यकीनन यह घटना टल सकती थी। तीसरा सवाल यह है कि अमेरिका जैसे संपन्न देश में सामाजिक निगरानी की व्यवस्था इतनी ढीली क्यों है? हत्यारा लड़का क्रूज गोद लिया हुआ लड़का था। उसे गोद लेने वाले मां-बाप की मृत्यु हो गई थी। उसके उद्दंड और उग्र व्यवहार के बारे में पहले भी कई शिकायतें मिली थीं, और इन्हीं के कारण उसे स्कूल से निकाला गया था। ऐसी स्थिति में उसके ऊपर समुचित सुधारात्मक निगरानी क्यों नहीं रखी गई? क्यों एक लड़के को इस हद तक उग्र हो जाने दिया गया कि उसने सत्रह निदरेष लोगों की जान ले ली और उनके परिवार को जीवन भर का दुख दे दिया? अगर वह लड़का मानसिक रूप से बीमार था, तो जाहिर है कि उसके लक्षण सबके सामने उजागर थे। तो फिर समय रहते उसको निगरानी व नियंतण्र में क्यों नहीं लिया गया? दुनिया का सबसे संपन्न देश अगर इन सवालों के हल नहीं तलाश सकता तो बाकी दुनिया की क्या स्थिति होगी, इसका सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है।

टी20 : भारत ने साउथ अफ्रीका को दिया 204 रनों का लक्ष्य

जोहानसबर्ग (एजेंसी)।

जोहानसबर्ग के वांडर्स मैदान पर खेला जा रहे पहला टी 20 मैच में भारत ने साउथ अफ्रीका 204 रनों का लक्ष्य दिया है। भारत की तरफ से शिखर धवन ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को रोहित ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे ओवर में ही वो 21 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रोहित ने अपनी पारी में 2 चौके और 2 छक्के लगाए। रोहित के बाद बल्लेबाजी करने उतरे सुरेश रैना भी 15 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान कोहली और शिखर धवन ने भारत की पारी संभाली और स्कोर 100 के पार पहुंचाया। कोहली पिच पर जम ही रहे थे कि शम्सी ने उन्हें 26 रन पर आउट कर दिया। वहीं दूसरे साइड पर जमे शिखर धवन ने ञ्20 करियर की चौथी हाफ सेंचुरी जड़ी। शतक की ओर बढ़ रहे धवन 72 रन बनाकर फेहुलकवायो की गेंद पर कीपर को कैच दे बैठे। उसके बाद धौनी भी 15 रन बनाकर आउट हो गए। अखिरी में मनीष पांडे और हार्दिक पंड्या ने टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। मनीष पांडे 29 रन और हार्दिक पंड्या 13 रन बनाकर नाबाद लौटे।

अपने ऑलराउंड खेल के दम पर वनडे सीरीज में एकतरफा जीत दर्ज करने वाली कोहली की सेना टी-20 सीरीज में अपने उसी प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी। कोहली के ऊपर टीम इंडिया की जिम्मेदारी होगी। कप्तान कोहली बल्ले से शानदार फॉर्म में हैं और वनडे सीरीज में उन्हें मैन ऑफ द सीरीज भी चुना गया। उनके अलावा रोहित शर्मा, शिखर धवन, महेंद्र सिंह धौनी, हार्दिक पांड्या खेल के छोटे प्रारुप में टीम को मजबूती देंगे। सुरेश रैना की टी-20 टीम में वापसी हुई है उनके आने से टीम के मध्यक्रम को बेशक मजबूती मिलेगी। वह टीम के प्रदर्शन में अहम रोल निभा सकते हैं।

प्रणय ने सकारात्मक मानसिकता के लिये साइना, सिंधू को श्रेय दिया

मुंबई। स्टार शटलर एच एस प्रणय ने शीर्ष महिला शटलर पीवी सिंधू और साइना नेहवाल को श्रेय देते हुए कहा कि कड़े प्रतिद्वंद्वियों का सामना करते वक्त अन्य भारतीय खिलाड़ियों की सकारात्मक मानसिकता में इन दोनों ने अहम भूमिका अदा की। प्रणय ने यहां कहा, ''हम सभी खिलाड़ियों में जो एक चीज बदली है, वो है जीत हासिल करने का भरोसा। पिछले पांच से छह वर्षों में मैं यह बदलाव देख सकता हूं।'' दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी ने बीती रात कहा, ''इससे पहले हम टूर्नामेंट में जब बड़े खिलाड़ियों का नाम देखते थे तो हम कहा करते थे कि यह कठिन है। अब जब भी हम बड़े खिलाड़ियों का नाम देखते हैं तो हम ज्यादा आत्मविश्वास से भरे होते हैं।''

प्रणय यहां महान बैडमिंटन खिलाड़ी नंदू नाटेकर और मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के साथ 25वें जी डी बिरला मेमोरियल मास्टर्स इंटर-क्लब बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''पहले जब हम उनसे खेला करते थे तो हम उन्हें काफी ज्यादा सम्मान देते थे। जब मैंने बैडमिंटन खेलना शुरू किया तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतने बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल सकता हूं या इस सुपर सीरीज स्तर या विश्व चैम्पियनशिप में इनके खिलाफ खेलूंगा।'

केविन एंडरसन ने जापान के केई निशिकोरी को हराया

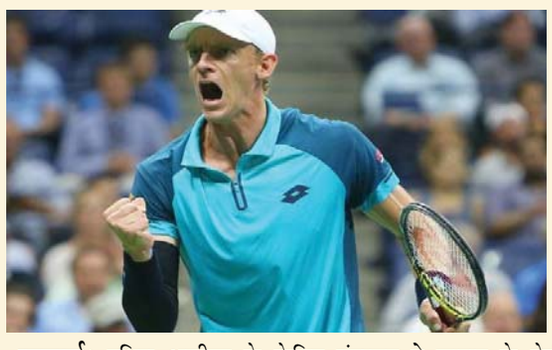

न्यूयार्क। दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन ने जापान के केई निशिकोरी की न्यूयार्क ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वापसी करते हुए खिताब जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। शीर्ष वरीय एंडरसन ने लांग आइलैंड में तीन सेट चले मुकाबले में जापान के पांचवें वरीय निशिकोरी को दो घंटे और 11 मिनट चले सेमीफाइनल में 6-1 3-6 7-6 से हराया। निशिकोरी चोट के कारण पांच महीने प्रतिस्पर्धी टेनिस से बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे थे। फाइनल में एंडरसन का सामना अमेरिका के सैम क्वेरी से होगा। दूसरे वरीय क्वेरी ने सेमीफाइनल में फ्रांस के एड्रियन मनारिनो को 6-7 7-5 6-3 से शिकस्त दी।

फेडरर और दीमित्रोव में होगा खिताबी मुकाबला

रोटरडम। टेनिस पेशेवर संघ (एटीपी) रैंकिंग में फिर से शीर्ष पर पहुंचे स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रोटरडम टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां अब खिताब के लिए उनका सामना दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी ग्रिगोव दीमित्रोव से होगा। गत माह आस्ट्रेलियन ओपन में अपने खिताब का बचाव करने वाले फेडरर ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के आंद्रेस सेप्पी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से पराजित किया। यहां दो बार चैंपियन रह चुके फेडरर ने सेप्पी के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और मैच में अपना वर्चस्व कायम रखा। 36 साल के फेडरर विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। फेडरर अब आद्रे अगासी की पीछे छोड़ते हुए विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। अगासी ने 2003 में 33 साल 131 दिन की उम्र में शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। एक अन्य सेमीफाइनल में बेल्जियम के डेविड गोफिन को बुल्गारिया के दीमित्रोव के खिलाफ मुकाबले में एक गेंद उनके आंख में लग गई जिसके चलते उन्हें मैच से हटना पड़ा। गोफिन जिस समय चोट लगी उस समय वह 6-3 0-1 से पीछे थे। इसके बाद दीमित्रोव फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

जींद में 19 फरवरी से कबड्डी का महाकुम्भ

जींद। हरियाणा के जींद में 19 से 21 फरवरी तक राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है जिसमें देश भर की 12 शीर्ष टीमें भाग लेंगी। खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग के निदेशक जगदीप सिंह के मुताबिक हरियाणा को देश में खेल हब के रूप में पहचान मिल चुकी है। प्रदेश की खेल नीति को देश के अन्य राज्य भी अपना रहे है। परम्परागत खेलों को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाये गये है जिसकी बदौलत प्रदेश के ग्रामीण हिस्सों से अनेक खेलों के स्टार खिलाड़ी उभरकर सामने आये हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता यहां के एकलव्य स्टेडियम में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की स्मृति में करवायी जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों का चयन नेशनल फैडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से किया गया है। निश्चित रूप से सभी कबड्डी मुकाबले काफी रोचक होंगे। जगदीप ने बताया कि इस कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारम्भ राज्यपाल प्रो.कप्तान सिंह सोलंकी 19 फरवरी को करेंगे। हरियाणा के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग मंत्री अनिल विज समेत कई गणमान्य लोग इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता के मद्देनजर स्टेडियम में व्यापक प्रबंध किये गये है। स्टेडियम में आठ बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है ताकि अधिक लोग मुकाबलों का आनन्द उठा सके।

विजय हजारे ट्राफी के नाकआउट चरण के लिये पृथ्वी शॉ मुंबई की टीम में

मुंबई (एजेंसी)।

युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को 21 फरवरी से दिल्ली में खेले जा रहे विजय हजारे ट्राफी के नाकआउट मुकाबलों के लिये 16 सदस्यीय मुंबई टीम में शामिल किया गया है. आदित्य तारे की अगुवाई वाली टीम में नियमित खिलाड़ी श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, सिद्धेश लाड और अखिल हरवाडकर शामिल हैं. शॉ ने हाल में न्यूजीलैंड में रिकार्ड चौथा वर्ल्डकप खिताब जीतने वाली भारत की अंडर-19 टीम की अगुवाई की थी. उन्होंने चेन्नई में विजय हजारे ट्राफी के लीग चरण के चार मुकाबलों में दो अर्धशतक जमाये थे. गोवा के खिलाफ उन्होंने 53 जबकि राजस्थान के खिलाफ 52 रन बनाये थे. मुंबई और आंध्र प्रदेश ने ग्रुप सी से नाकआउट चरण के लिये क्वालीफाई किया. मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई धवल कुलकर्णी ही करेंगे. मध्यम गति के गेंदबाज आकाश परकार ने भी टीम में जगह बनायी है जिन्होंने रणजी ट्राफी सत्र में प्रभावित किया था.

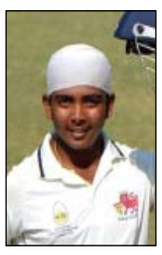

इससे पहले घरेलू मैचों में पृथ्वी शॉ ने शानदार प्रदर्शन किया था. इसके बाद उनके नेतृत्व में अंडर-19 टीम वर्ल्डकप विजेता बनकर लौटी है. इस साल पृथ्वी आईपीएल में भी खेलते हुए दिखाई देंगे.

टीम इस प्रकार है : आदित्य तारे (कप्तान), धवल कुलकर्णी (उप कप्तान), श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, सिद्धेश लाड, अखिल हरवाडकर, जय बिष्टा, शिवम दुबे, एकनाथ केरकर, आकाश परकार, धुमिल माटकर, रॉयस्टन डायस, शम्स मुलानी, शुभम रंजने, शिवम मल्होत्रा और पृथ्वी शॉ.

टी20 श्रृंखला के अंतिम मैच में इंग्लैंड जीता पर न्यूजीलैंड फाइनल में

रोटरडम (एजेंसी)।

हैमिल्टन। कोलिन मुनरो के तूफानी अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला के अंतिम मैच में इंग्लैंड के खिलाफ दो रन की हार के बावजूद फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना आस्ट्रेलिया से होगा। सलामी बल्लेबाज मुनरो ने 21 गेंद में सात छक्कों और तीन चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने सिर्फ 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में छठे सबसे तेज अर्धशतक की बराबरी की।

मुनरो के साथी सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने भी 47 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से 62 रन की पारी खेली लेकिन इसके बावजूद न्यूजीलैंड की टीम 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 192 रन ही बना सकी। हांगकांग में जन्मे मार्क चैपमैन ने भी नाबाद 37 रन बनाए। इससे पहले चोट के बाद वापसी कर रहे कप्तान इयोन मोर्गन के नाबाद 80 रन की बदौलत इंग्लैंड ने सात विकेट पर 194 रन बनाए।

इंग्लैंड ने इससे पहले श्रृंखला में अपने सभी मैच गंवाए थे और रन रेट के आधार पर मेजबान टीम को पछाड़ने के लिए उसे कम से कम 20 रन से जीत दर्ज करनी थी जिससे कि बुधवार को होने वाले फाइनल में जगह बना सके। न्यूजीलैंड ने आठवें ओवर की शुरूआत में ही जरूरी रन रेट बरकरार रखने जितने रन बना लिए और इसमें मुनरो की अहम भूमिका रही। मुनरो ने गुप्टिल के साथ पहले छह ओवर में 77 रन की तूफानी साझेदारी की। आदिल राशिद ने मुनरो को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

लियाम डासन ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन (08) को बोल्ड किया जिससे 12वें ओवर में टीम का स्कोर दो विकेट पर 100 रन हो गया। गुप्टिल और चैपमैन ने टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया लेकिन जीत नहीं दिला सके। इससे पहले ग्रोइन की चोट के कारण पिछले दो मैचों से बाहर रहने वाले मोर्गन ने अपनी पारी में 46 गेंद का सामना करते हुए छह छक्के और चार चौके मारे। मोर्गन चौथे ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे जब इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 24 रन था और उन्होंने डेविड मलान (53) के साथ 93 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। मलान का पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में यह चौथा अर्धशतक है।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाजों एलेक्स हेल्स (01) और जेसन राय (21) के विकेट जल्दी गंवाए लेकिन मोर्गन और मलान ने 10 ओवर में टीम का स्कोर दो विकेट पर 85 रन तक पहुंचाया जिसमें छह छक्के और पांच चौके शामिल रहे। दोनों ने स्पिनर मिशेल सेंटनर के पारी के 11वें ओवर में 21 रन बटोरे। इंग्लैंड की टीम अंतिम 10 ओवर में 109 रन जुटाने में सफल रही। न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने 50 रन देकर तीन जबकि टिम साउथी ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए।

स्पिनर रविचंद्रन अश्विन युवाओं के प्रेरणास्त्रोत : सैयद किरमानी

चेन्नई। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर सैयद किरमानी ने आज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की उपलब्धियों और खेल के प्रति समर्पण की तारीफ करते हुए यहां कहा कि वह युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। अश्विन को एक कार्यक्रम में चेन्नई आइकान का खिताब देने के बाद उन्होंने कहा, '' अश्विन की उपलब्धियों की तारीफ करने के लिए मेरे पास शब्द कम है। महान खिलाड़ी बनने की ओर बढ़ रहे अश्विन को मेरी शुभकामनाएं।'' भारतीय टीम के इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि अश्विन तमिलनाडु और देश का गौरव हैं। उन्होंने कहा, '' अश्विन भारत और तमिलनाडु का गौरव हैं। वह आज के दौर के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्हें सम्मानित करके मैं खुद सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'' उन्होंने खेल के सभी पहलुओं के लिए खुद को समर्पित करने पर अश्विन की प्रशंसा की।

भारतीय टीम 2018-19 सत्र में सभी प्रारूपों में 63 मैच खेलेगी

नयी दिल्ली। अगले साल होने वाले आईसीसी विश्व कप पर निगाह लगाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम 2018-19 सत्र में करीब 30 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी जबकि सभी प्रारूपों में उसे कुल 63 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम आगामी सत्र में 12 टेस्ट मैच के साथ 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारत का मौजूदा सत्र (2017-18) श्रीलंका में निधास त्रिकोणीय टी20 टूर्नामेंट (जिसमें बांग्लादेश तीसरी टीम होगी) के साथ समाप्त होगा।

भारतीय क्रिकेट कैलेंडर अप्रैल में इंडियन प्रीमियर लीग से शुरू होगा जबकि राष्ट्रीय टीम अपना अभियान जून में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की संक्षिप्त टी20 सीरीज के साथ शुरू करेगी। इसी महीने वे बेंगलुरू में ऐतिहासिक एकमात्र टेस्ट के लिये अफगानिस्तान की भी मेजबानी करेंगे। इंग्लैंड का ढाई महीने का अहम दौरा जुलाई में शुरू होगा और सितंबर के शुरू में खत्म होगा जिसमें भारतीय टीम पांच टेस्ट, तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी।

एशिया कप (यह चरण 50 ओवर के मैच का होगा) के लिये विंडो है लेकिन इसकी तारीखें और स्थल की घोषणा अभी बाकी है। एशिया कप में नौ के करीब वनडे मैच होंगे। भारत का घरेलू सत्र काफी छोटा होगा जिसमें वेस्टइंडीज की टीम अक्तूबर-नवंबर में दो टेस्ट, पांच वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये आयेगी। वेस्टइंडीज के दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर-दिसंबर में आस्ट्रेलिया जायेगी जहां वह उसके खिलाफ चार टेस्ट, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड में टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने का नीतिगत फैसला किया है क्योंकि भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े तीन बजे टेस्ट मैच खेलना दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड के लिये व्यवसायिक तौर पर व्यवहारिक नहीं है। न्यूजीलैंड दौरा जनवरी के मध्य से फरवरी के मध्य तक चलेगा जिसमें पांच वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जायेंगे। फरवरी के दूसरे हाफ में आस्ट्रेलियाई टीम सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये भारत आयेगी जिसमें पांच वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित होंगे। 2018-19 सत्र जिम्बाब्वे के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ खत्म होगा।

बल्लेबाजों ने किया निराश, भारत तीसरे टी20 में हारा

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

अच्छी शुरूआत के बाद मध्य और निचले क्रम के ध्वस्त होने के कारण भारतीय महिला क्रिकेट टीम को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को जीवंत रखा है जिसमें मेजबान टीम 1-2 से पीछे है।

दक्षिण अफ्रीका में पहली टी20 श्रृंखला जीतने पर नजरें टिकाए बैठी भारतीय टीम 12वें ओवर में दो विकेट पर 93 रन बनाकर अच्छी स्थिति में होने के बावजूद 17 -5 ओवर में 133 रन पर ढेर हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इसके जवाब में शीर्ष क्रम के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत एक ओवर शेष रहते पांच विकेट पर 134 रन बनाकर जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका ने लिजेल ली (05) का विकेट जल्दी गंवा दिया लेकिन इसके बाद कप्तान डेन वान नीकर्क (20 गेंद में 26 रन) और स्यून लुस (34 गेंद में 41 रन) उपयोगी साझेदारी की। नीकर्क के आउट होने पर लुस ने मिगनोन डू प्रीज (20) के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

क्लो टायरन ने भी 15 गेंद में 34 रन की तेज पारी खेली। भारत की तरफ से तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार ने 21 रन देकर दो विकेट चटकाए। अनुजा पाटिल ने निराश किया जिन्होंने चार ओवर में 44 रन खर्च करके सिर्फ एक विकेट हासिल किया। इससे पहले भारतीय टीम ने अंतिम पांच विकेट सिर्फ नौ रन जोड़कर गंवाए। टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम कप्तान हरमनप्रीत कौर (48) और स्मृति मंधाना (37) की पारियों की बदौलत 12वें ओवर में दो विकेट पर 93 रन बनाकर काफी अच्छी स्थिति में थी लेकिन इन दोनों के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी ढेर हो गई।

हरमनप्रीत ने 30 गेंद की अपनी पारी में दो छक्के और छह चौके मारे। पहले ही ओवर में अनुभवी मिताली राज (00) का विकेट गंवाने के बाद हरमनप्रीत और स्मृति ने दूसरे विकेट के लिए तेजी से 55 रन जोड़े। लेग स्पिनर नीकर्क ने स्मृति को मोसेलिन डेनियल्स के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति ने 24 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का जड़ा। तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल (30 रन पर पांच विकेट) ने हरमनप्रीत को विकेट के पीछे कैच कराके पहली सफलता हासिल की और फिर भारतीय पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। तेज गेंदबाज मासाबाता क्लास (20 रन पर दो विकेट) ने शबनम का अच्छा साथ निभाया।

जिज्ञेश मेवानी ने पुलिसकर्मी से की बदतमीजी

अहमदाबाद (ईएमएस)। पाटन में सरकार से जमीन मुद्दे को लेकर आत्मदाह करनेवाले भानुभाई की मौत के बाद दलितों में आक्रोश फैला हुआ है। इसी सिलसिले में आज दलित नेता जीज्ञेश मेवानी ने बंद का ऐलान किया था। जीज्ञेश मेवानी को पुलिस द्वारा रोके जाने पर उन्होंने पुलिसकर्मी से बदतमीजी करते हुए कहा कि तेरे बाप का गुजरात है। पाटन में जमीन मामले को लेकर आत्मदाह करने वाले दलित अग्रणी भानुभाई की मौत के बाद दलितों में आक्रोश फैल गया है। दलित नेता ने भी इस मामले में कूद पड़े है। कल जीज्ञेश मेवानी ने भानुभाई के परिजनों से मिलकर सरकार से अपनी मांगे रखी और मांग पूर्ण नहीं तक भानुभाई का शव लेने से इन्कार कर दिया। जीज्ञेश मेवानी ने रूपाणी सरकार के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा रविवार 18 फरवरी को बंद के ऐलान की घोषणा की। इसी सिलसिले में दलित नेता व विधायक जीज्ञेश मेवानी आज सुबह अहमदाबाद शहर के सारंगपुर इलाके में बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा को पुष्पांजलि कर रैली शुरु करने जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उनकी कार को सरसपुर इलाके में रोक दी और उन्हें आगे जाने से रोक दिया। इससे गुस्साए जीज्ञेश मेवानी ने पुलिस कर्मियों से भीड़ गए और कहा कि मैं जनता का प्रतिनिधि हूं। इस दौरान सादे कपड़ों में पुलिस ने जीज्ञेश मेवानी के कार की चाबी ले ली। जीज्ञेश ने पुलिसकर्मियों के साथ बदतमीजी करते हुए कहा कि तेरे बाप का गुजरात है, तेरा बेज नंबर क्या है, और तुम वर्दी में क्यों नहीं हो। इस प्रकार से पुलिस व जीज्ञेश मेवानी के बीच हुई तू तू मैं मैं का वीडियो सोशियल मीडिया में वायरल हुआ है। पुलिस ने जीज्ञेश मेवानी को हिरासत में ले लिया।

सूरत। रविवार को तापी नदी में स्पीड बोट कम्पीटिशन का आयोजन किया गया जिसमें लोग एक दुसरे की बोट को पीछाडते नजर आए।

सूरत। शहर के गोड़ादरा इलाके से शिवाजी महाराज की शोभायात्रा निकालते हुए शिवाज महाराज के समर्थक।

एमएस ऑर्थो में एडमिशन के नाम पर डॉक्टर को ठगने वाले दो गिरफ्तार

सूरत। मैनेजमेंट कोटा में एडमिशन कराने के नाम 13 लाख की ठगी करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ जांच शुरू की है। पुलिस से मिली जानकारी के तहत कतारगांव की हरिकृष्ण सोसाइटी में रहने वाले डॉ. अजय बटुकभाई जसाणी की दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने अखबार में विज्ञापन पढ़कर आरोपियों से संपर्क किया था। आरोपियों ने दक्षिण भारत के किसी भी कॉलेज में एमएस ऑर्थोपेडिक में 65 लाख में मैनेजमेंट कोटा में एडमिशन दिलवाने का विश्वास दिया था। इसके बाद थोड़ा-थोड़ा करके कुल 13 लाख रुपए ले लेने के बाद एडमिशन न दिलाकर विश्वासघात किया। इसके बारे में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस जांच शुरू करके आरोपी जाकीरहुसेन हयातखान नागोरी (44 वर्ष, बनासकांठा) और आकाश सुधीर डाभी (42 वर्ष, जूनागढ़) को दबोच लिया। दोनों आरोपियों द्वारा ठगी किए गए 13 लाख में से 8 लाख रुपए पुलिस ने रिकवर कर ली है। जबकि आरोपी और कितने लोगों के साथ इस तरह की बारदात की है, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

वराछा में नीलकंठ सोसाइटी की युवती फांसी पर झूली

सूरत। वराछा के जवाहर नगर नीलकंठ सोसाइटी में रहने वाली एक युवती ने किसी कारणों से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। वराछा पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के जवाहर नगर नीलकंठ सोसाइटी बी-34, तीसरी मंजिल पर रहने वाले धनाभाई परमार की पुत्री कुंदनबेन ने गत शुक्रवार को किसी अज्ञात कारणों से अपने घर में लगे पंखे के हुक के साथ रस्सी बांधकर फांसी पर झूल गई। घटना की जानकारी परिजनों को शनिवार को हुई तो पुलिस को जानकारी दिए। पुलिस स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

वाहन की चपेट में साइकिल चालक युवक की मौत

सूरत। शहर के पूणा कैनाल रोड पर साइकिल से जा रहे एक युवक को अज्ञात वाहन चालक टक्कर मारकर फरार हो गया। दुर्घटना में युवक के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने से स्थल पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूणा गांव भैया नगर के पीछे प्लॉट नं. 63 में रहने वाले बसंतभाई पाटिल के बेटे अजय पाटिल (24 वर्ष) गत रोज रात 11 बजे के करीब पूणा के कैनाल रोड रेशमा रेजीडेंसी के सामने साइकिल से जा रहा था। उसी समय एक अज्ञात वाहन चालक अजय को टक्कर मारकर फरार हो गया। इस दुर्घटना में अजय को गंभीर चोट लगने से स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के संदर्भ में पूणा पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है।

देशी तमंचा के साथ एक गिरफ्तार

सूरत। शहर की एसओजी पुलिस ने उधना तीन रास्ता, लुहार मोहल्ला के पास से देशी तमंचा को बेचने के इरादे से घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसओजी पुलिस शनिवार को शहर में गश्त लगा रही थी। उसी समय गोपनीय सूचना मिली कि एक युवक उधना तीन रास्ता, लुहार मोहल्ला के पास एक युवक देशी तमंचा बेचने के इरादे से घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी शैलेष उर्फ लालो बिपिनभाई नायका, छत्रपति शिवाजी नगर प्लॉट नं. 16,17, सीताराम पाटिल के रूम में, लिंबायत निवासी को गिरफ्फ्तार करके उसके खिलाफ आर्म्स्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

लापरवाही ने ली मासूम की जान

सूरत। लिंबायत की जलाराम सोसाइटी के सामने मंगलपांडे हॉल के पास रोड पर एक टेंम्पो चालक की लापरवाही के चलते 6 साल के मासूम की मौत हो गई। पुलिस ने टेंपो चालक को गिरफ्तार करके आगे की जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत के गोडादरा जलाराम सोसाइटी प्लॉट नं. 46 में रहने वाले नंदकुमार कैलाशनाथी मजूरी करके परिवार का गुजारा करता है। शनिवार को शाम 5.30 बजे के करीब नंदकुमार का 6 वर्षीय पुत्र राजकुमार रास्ता पार कर रहा था।

उसी समय टेंपा नं. जीजे-5-बीडब्लू-2787 के चालक ने लापरवाही पूर्वक टेंपो चलाते हुए मासूम राजकुमार को टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बारे में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके टेंपो चालक को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

राजकोट शहर के दो नये पुलिस स्टेशनों का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

राजकोट (ईएमएस)। गुजरात राज्य पुलिस आवास निगम द्वारा राजकोट शहर में नवनिर्मित दो पुलिस स्टेशनों का मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज लोकार्पण किया। राजकोट शहर पुलिस में फिलहाल डीसीबी सहित कुल 13 पुलिस स्टेशन कार्यरत हैं। इनमें तालुका पुलिस स्टेशन और गांधीग्राम-2 पुलिस स्टेशन के नये कार्यालय भी शामिल हो गए हैं। इनका निर्माण करीब 385 लाख रुपए के खर्च से किया गया है। राजकोट शहर में युनिवर्सिटी के पीछे मुंजका गांव में गांधीग्राम -2 पुलिस स्टेशन का निर्माण 195 लाख के खर्च से किया गया है। इस पुलिस थाने का निर्मान कार्य 1428.99 वर्गमीटर क्षेत्र में किया गया है। इसमें पुलिसकर्मियों के लिए कार्यालय और नागरिक सुविधा केन्द्र सहित कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

स्वतंत्र राजस्थान, संवाददाता, सूरत। होली आते ही राजस्थान बहुल क्षेत्र में ढप ,चंग और ढोल की थाप पर राजस्थानी लोकगीतों पर नृत्य करने का सिलसिला शुरू हो गया है। वराछा मातावाड़ी में एक दुकान पर नृत्य करता युवक।

राज्य में कई हिस्सों में दलितों में आक्रोश, चक्काजाम और हिंसक प्रदर्शन

अहमदाबाद। पाटन में आत्मदाह की घटना को लेकर दलितों में आक्रोश यथावत है। राज्य के कई हिस्सों में दलितों ने चक्काजाम और हिंसक प्रदर्शन किया। पाटन में आत्मदाह करनेवाले दलित सामाजिक कार्यकर्ता भानुभाई वणकर की मौत के दो दिन बाद भी अपनी मांगों को लेकर दलितों में आक्रोश यथावत है। आज दलित नेता जिज्ञेश मेवानी ने अहमदाबाद बंद का ऐलान दिया था। सुबह से ही अहमदाबाद, पाटन, मेहसाना, ऊंझा और गांधीधाम में दलित समुदाय के लोग सड़को पर उतर आए। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई और थाली-बेलन बजाकर विरोध प्रकट किया। वहीं दूसरी ओर आज ऊंझा में दलित संगठनोने चक्काजाम कर बसों में तोड़फोड़ की। उत्तर गुजरात के कई जिलों में दलित संगठनों ने चक्काजाम कर हाईवे जाम कर दिया। कई जगहों पर महिलाओं ने छाती पीटकर सरकार के प्रति आक्रोश जताया। पाटन में बड़ी संख्या में लोग रैली में शामिल हुए जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई। दलित नेता जिज्ञेश मेवानी ने अहमदाबाद बंद का ऐलान दिया था। सुबह से ही अहमदाबाद, पाटन, मेहसाना, ऊंझा और गांधीधाम में दलित समुदाय के लोग सड़को पर उतर आए। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई और थाली-बेलन बजाकर विरोध प्रकट किया। वहीं दूसरी ओर अहमदाबाद शहर के सारंगपुर इलाके में जीग्नेश मेवानी ने दलित कार्यकर्ताओं के साथ हंगामा मचाया और पुलिस कर्मी से बदतमीजी करने पर पुलिस ने जीज्ञेश मेवानी को हिरासत में ले लिया। जीज्ञेश मेवानी की गिरफ्तारी की खबरों के बाद पाटन और सिद्धपुर में दलित संगठनोने विरोध जताते हुए चक्काजाम कर दिया। दलितों ने सड़कों पर पहिये जलाकर हाईवे जाम कर दिया। दलित समाज के लोगों ने पाटन के एसपी और कलेक्टर को सस्पेन्ड करने की मांग की है। वहीं मेहसाना में दलित संगठन के लोगों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। इसी सिलसिले में पुलिस ने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी भी की।

सूरत। सीरवी समाज की वाडी में बड़ी दूज के उपलक्ष में सीरवी समाज की महिला मंडल की बहनों ने भजन की प्रस्तुति दी। हर महीने की दूज को रणुजाधाम बाबा रामदेव के भजन से परिसर भक्तिमय बन जाता है। महिलाए भजन प्रस्तुत करती हुई।

राजकोट में तीसरे जिला सेवा सदन का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

राजकोट (ईएमएस)। विजय रूपाणी ने आज राजकोट शहर में रेसकॉर्स, रीडक्लब के पास 1076 लाख के खर्च से निर्मित तीसरे जिला सेवा सदन का लोकार्पण किया। कलक्टर कार्यालय, बहुमंजिला भवन के बाद यह तीसरा सेवा सदन कार्यरत हो जाने से किराये पर चलने वाले करीब 22 सरकारी कार्यालय इसमें स्थानांतरित हो जाएंगे। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने राज्य के मार्ग एवं आवास विभाग द्वारा निर्मित होने वाली सरकारी कॉलोनी का भूमिपूजन भी किया। यहां 1589.65 लाख के खर्च से 108 आवास बनाए जाएंगे। यह जिला सेवा सदन-1 कलक्टर कार्यालय से मात्र 200 मीटर दूर स्थैत है। ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग और ऊपर चार मंजिल हैं।

एक मीटिंग हॉल भी शामिल है। बिल्डिंग का कुल निर्माण क्षेत्र 6247 वर्गमीटर है। भविष्य में आवश्यकता खड़ी होने पर और तीन मंजिल इसमें बनायी जा सकेगी। आवेदकों के लिए भी यहां विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस बहुमंजिला भवन के कारण सरकारी कार्यालयों के किराये की राशि की भी बचत होगी। मुख्यमंत्री ने युनिवर्सिटी पोस्ट ऑफिस के पास 1579.65 लाख के खर्च से आकार लेने वाली बी टाइप सरकारी कॉलोनी का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री द्वारा मुंजका 784 फ्लेट का भूमिपूजन

राजकोट (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी द्वारा मुंजका में 68.80 करोड़ के खर्च से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनाए जाने वाले 784 फ्लेट का भूमिपूजन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज मुंजका गांव में राजकोट शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 68.80 करोड़ के खर्च से आकार लेने वाले 784 फ्लेट्स का भूमिपूजन किया। यह भूमिपूजन सभास्थल से ही किया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस प्रोजेक्ट में अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट- एड्बल्युएस-2 टाइप (पार्किंग और 14 मंजिल), 8 टावर कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट शामिल है। टाउन प्लानिंग स्कीम 17 और मुंजका फाइन प्लॉट 79 में आकार लेने वाली इस योजना में लाभार्थियों को 40 वर्गमीटर, दो बेडरूम, हॉल, किचन का कार्पेट एरिया प्रदान किया जाएगा। आरसीसी फ्रेमवर्क, एल्युमिनियम सेक्शन विंडो, विट्रीफाइड टाइल्स, लिफ्ट, सोलर हीटर सिस्टम, फायर सेफ्टी, आंगनवाड़ी, सिक्युरिटी केबिन, पम्प रूम, मुख्य प्रवेश द्वार के साथ कम्पाउंड वॉल, जलापूर्ति और भूगर्भीय गटर सिस्टम आदि सुविधाएं इसमें शामिल हैं। सामजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े नागरिकों के लिए आय सीमा 3 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इस योजना में केन्द्र सरकार की सहायता 11.76 करोड़, राज्य सरकार की सहायता 11.76 करोड़, रुडा की सहायता 2.20 करोड़ और लाभार्थियों का योगदान 43.12 करोड़ रहेगा।

क्लीन राजकोट मेराथन में छलका नागरिकों का उत्साह

क्लीन राजकोट मेराथन को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री ने करवाया प्रस्थान, दिव्यांगों की स्पेशल रन वे की सराहना की

राजकोट (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज राजकोट महानगरपालिका और राजकोट शहर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में क्लीन राजकोट की थीम के साथ आयोजित विशाल मेराथन को हरी झंडी दिखाकर खाना करवाया। इस मेराथन को समग्र राजकोटवासियों की एक साथ- एक दिशा में विकास की दौड़ करार देते हुए उन्होंने राजकोट को आधुनिक, सानसक्टिक और संस्कारी नगरी बनाने का संकल्प जताया। क्लीन राजकोट मेराथन के स्टार्टिंग पॉइंट रेसकॉर्स मैदान पहुंचे श्री रूपाणी ने कहा कि राजकोट के मौजीले लोगों की छवि ऐसी है कि देर रात तक रेसकॉर्स की दीवारों पर बैठते हैं और आनन्द मनाते हैं, आईसक्रीम खाते हैं दोपहर को सो जाते हैं। लेकिन जब एकता की बात आती है तो समग्र राजकोट एक हो जाता है। इसलिए ही सुबह जल्दी भारी संख्या में नागरिक मेराथन में हिस्सा लेने के लिए रेसकॉर्स मैदान में उमड़ पड़े हैं। उन्होंने कहा कि क्लीन राजकोट मेराथन सिर्फ तन्दुरुस्ती की दौड़ नहीं है वरन इस मेराथन से एकता के दर्शन होते हैं। यह दौड़ एक साथ- एक दिशा में विकास के लिए दौड़ है। हमारी प्रकृति सदैव चलते रहने की है इसलिए ही, सबका साथ सबका विकास मंत्र के साथ लगातार नये लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए चलते रहना है। राजकोट शहर में महानगरपालिका और युनिवर्सिटी में खेलकूद के विकास के लिए 20 करोड़ के खर्च से जिम्नेशियम संकुल बनवाए गए हैं। इसका उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब हमें तन को तन्दुरुस्त रखते हुए मन को भी तन्दुरुस्त बनाना है और अगर मन तन्दुरुस्त होगा तो समाज सुदृढ़ और संगठित बनेगा। रूपाणी ने भारी संख्या में उपस्थित उन सभी नागरिकों का अभिनन्दन किया जो इस मेराथन में शामिल हुए। साथ ही समग्र आयोजन के सुचारु आयोजन के लिए संस्थाओं की सराहना की। क्लीन राजकोट मेराथन के आयोजकों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री और अन्य महानुभावों ने 42 किलोमीटर की मेराथन को हरी झंडी दिखाकर खाना करवाया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com